जिम में मिली भाभी की चुदास

“घर के सामने एक परिवार में एक भाभी रोज जिम जाती थी. भाभी को पटाने के चक्कर में मैंने भी जिम ज्वाइन कर लिया. उसके बाद बात कैसे आगे बढ़ी और मैंने कैसे भाभी की गर्म चुत को चोदा ? पढ़ें ! …”

Story By: (yadavhoney)
Posted: Wednesday, August 29th, 2018
Categories: पड़ोसी
Online version: जिम में मिली भाभी की चुदास

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

जिम में मिली भाभी की चुदास

हैलो फ्रेंड्स.. मेरा नाम हनी है और मैं गुडगाँव से हूँ. मैं दिल्ली कोचिंग कर रहा हूँ. मेरा रंग फेयर है, अच्छी हाइट है और लंड का साइज़ भी 6 इंच से ज्यादा है, जो किसी भी चूत को पागल बना दे. कोई भी आंटी, भाभी मुझसे बिना टेंशन के मेल कर सकती हैं.

दिल्ली में मैं जहां रहता था, वहां मेरे सामने के घर में फर्स्ट फ्लोर पर एक फैमिली रहती थी. उस परिवार में मियाँ बीवी, उनका एक 4 साल का बेबी और एक बूढ़ी अम्मा जी रहती थीं.

उन भाभी का नाम कुसुम था और कुसुम भाभी एक जबरदस्त माल थीं. मतलब भाभी का ऐसा टाइट फिगर कि देखते ही लौड़े में आग लग जाती थी. जब भी वो बाल्कनी में आतीं तो हम सभी फ्रेंड्स आकर खड़े हो जाते और उनको प्यासी निगाहों से घूरते रहते कि बस एक बार भाभी की मिल जाए. मैं भी भाभी की छलकती जवानी को देख कर ये ही सोचता रहता था.

फिर मुझे पता चला कि वो भाभी जी सुबह जिम और योगा वगैरह के लिए जाती हैं, तभी उसका फिगर इतना मेंटेन और कातिल था.

भाभी का 34-26-36 का फिगर वास्तव में इतना कसा हुआ था कि वो किसी भी लंड को एक बार में ही खड़ा कर दें. उनकी सुबह की एक्टीविटी के बारे में जानकर मैं खुश हो गया कि कम से कम अब मैं उनको रोज करीब से देख तो सकूँगा, इसलिए मैंने भी उसी जिम को ज्वाइन कर लिया और रोज जाने लगा. वो एक छोटा सा जिम था और मैंने भी उस जिम में सुबह के टाइम एड्मिशन ले लिया.

उस रात में सो नहीं पाया और उनको याद करके मुठ मार ली. सुबह में जिम गया, तो वो भाभी मुझे देख कर थोड़ा चौंक गईं कि ये लौंडा तो मेरी गली का ही है. मैंने भी भाभी को देखा और वॉर्म अप होने लगा.

ऐसे ही 4-5 दिन निकल गए.. हमारी कोई बात नहीं हुई. मैं बस उन्हें चोरी छुपे जिम करते देखता रहता. जो वे भी नोटिस कर चुकी थीं.. कि ये लड़का उनकी तरफ देखता है.

एक दिन वो मेरे साथ ही जिम से निकलीं, मैं भाभी के बगल से गुजरा तो भाभी बोलीं- हैलो गुड मॉर्निंग.
मैंने भी 'गुड मॉर्निंग..' बोला.
भाभी बोलीं- जिम को अभी ज्वाइन किया है या शाम को आते थे.
मैंने बोला- मैंने अभी स्टार्ट किया है.
वो बोलीं- ओके.
मैंने बोला कि आपको तो जिम ज्वाइन किए काफ़ी टाइम हो गया ना !
वो बोलीं- हां.. लेकिन आपको कैसे पता.
मैं बोला- आपकी बॉडी से.. जो इतनी फिट है.
वो मुस्कुरा कर थैंक्यू बोलीं.

तभी उनका घर आ गया और वो चली गईं. मैं खुश हुआ कि चलो आज बात तो हुई.

अगली सुबह जिम में जाते ही मैं उनको देख कर मुस्कुराया और विश किया. आज मैं उनके साथ वाली मशीन पर ही साइकिलिंग करने लगा. वो भी मुझे कुछ बताने लगीं कि पहले ये कर लो और फिर ये वाली एक्सर्साइज़ करना चाहिए. इस तरह हम दोनों में बातचीत होने लगी और हम दोनों रोज ही साथ में आने लगे.

एक दिन मैंने पूछा कि आपके हज्बेंड कहाँ रहते हैं ?

तो उन्होंने बताया कि वो चंडीगढ़ में जॉब करते हैं, एक या दो हफ्ते में ही आ पाते हैं.
मैं बोला- आपका मन लग जाता है यहां ?
वो बोलीं- हां मेरी बेटी है ना.. और सासू माँ भी हैं.
मैंने ओके बोला और कहा कि मेरे लायक कोई काम हुआ करे तो बता दिया कीजिएगा.
उन्होंने ओके और थैंक्स बोला.
मैंने अपनी मुस्कान बिखेर दी.

फिर उन्होंने भी मुस्कुराते हुए कहा कि अपना नम्बर दे दो, मैं सुबह मिस कॉल कर दिया करूँगी तो साथ में चल लिया करेंगे.

भाभी की ये बात सुनकर मैं तो पागल सा ही हो गया और झट से अपना नम्बर उन हसीन भाभी जी को दे दिया.

रात को व्हाट्सैप पर उनका हैलो का मैसेज आया.
मैंने जबाव दिया तो भाभी ने कहा कि ये मेरा नम्बर है, सेव कर लो.
फिर ऐसे ही बातें हुईं और डाइट वगैरह पर बात करते रहे.

भाभी से अब मेरी व्हाट्सैप पर लगभग रोज ही बात होने लगी.

ऐसे ही एक रात मैंने भाभी से काफी देर तक चैट के बाद बोला कि अब सोओगी ?
तो वो बोलीं- हां और क्या करूँगी इतनी रात को ?
मैंने जरा नॉटी हो कर बोल दिया कि वैसे करने को काफ़ी कुछ है.
तो भाभी हंसने लगी और बोलीं- अच्छा शरारती लड़के..

मैं धीरे धीरे यूं ही भाभी के साथ नॉटी बातें करता रहा.. फिर एकदम से बोला कि आई लाइक यू कुसुम.

वो बोलीं- अच्छा जी.. कुसुम ! मुझे तुम्हारे मुँह से भाभी की जगह कुसुम सुनना अच्छा लगा.
मैंने भाभी शब्द का इस्तेमाल बंद करते हुए कह दिया- सच में कुसुम, तुम बहुत हॉट हो.
वो बोलीं- थैंक्यू.. अभी पढ़ाई में मन लगाओ.. यहां वहां नहीं.
मैं बोला- पढ़ाई में तभी मन लगता है जब आदमी होश में हो. तुम्हें देख कर तो मैं वैसे ही खो जाता हूँ.
भाभी हंसने लगीं और बोलीं- बहुत प्यारी बातें करते हो.

मैंने कहा- क्यों आपके पति तारीफ़ नहीं करते ?
उन्होंने थोड़ा दुखी हो कर कहा- नहीं वो मुझ पर इतना ध्यान नहीं देते. हमेशा काम काम करते रहते हैं.
मैं बोला- आप इतनी हॉट हो फिर भी ?
भाभी बोलीं- उसको ये सब नहीं दिखता.

मैंने कहा- इट्स ओके सब ठीक हो जाएगा.. ये कह कर मैंने उनको एक किस की स्माइली भेज दी.
उन्होंने थैंक्यू बोला, तो मैंने कहा- सिर्फ़ थैंक्यू !
अब उन्होंने भी किस भेज दिया. मैं खुश हो कर बोला- रियल में चाहिए !
तो वो बोलीं- अभी नहीं.. सही टाइम आने पर.

ऐसे ही कुछ देर हमारी बातें हुईं और इसी दौरान एक बार सेक्स की बात भी हुई.

मैंने पूछा- आपको क्या पसंद है सेक्स में ?
तो उन्होंने कहा- वाइल्डली पुसी लिक करवाना.
मैंने कहा- अच्छा ?
वो बोलीं- हां यार मेरे पति कभी कभी सेक्स करते हैं, तब भी लिकिंग नहीं करते.

मैंने कहा- मुझे मौका मिला तो मैं बहुत बुरी तरह करूँगा.
इस पर वो बोलीं- होप सो.

उनके मुँह से ये सुनते ही मैं पागल हो गया और मैंने बेलाग कह दिया- होप ही होप है कुसुम.. बोलो तो अभी आ जाऊं.
वो बोलीं- अभी नहीं.. मैं 2-3 दिन बाद तुमको बुला लूँगी, मम्मी जी किसी के प्रोग्राम में जाएंगी, तब आ जाना.

मैं बहुत खुश हुआ और भाभी से सेक्सी बातें करते हुए किस करने लगा. उस रात को हमने फोन पर कॉल करके सेक्स किया. उन्होंने मुझसे बोला- यार इतने सपने मत दिखाओ कि कभी पूरे ही ना हों.
मैं बोला- डोंट वरी हनी.. दो दिन में सारे सपने पूरे हो जाएंगे.

भाभी के संग हो रही इन सब बातों का मेरे रूम पार्टनर को ही पता था.

तो दोस्तो, फिर दो दिन बाद वो अवसर आया, जब उनकी सास चली गईं और पति चंडीगढ़ में था.

उन्होंने जिम में बताया कि आज मम्मी जी जा रही हैं. मैंने उनकी तरफ देख कर स्माइल दी.. उन्होंने भी मुझे आँख मार कर हरी झंडी दे दी.

रात को मैंने हमारी बिल्डिंग का मेनगेट खोला और फ्रेंड को बताया कि मैं भाभी के पास जा रहा हूँ.. सुबह ही आऊंगा.
फ्रेंड ने ठंडी सांस भर कर बोला- लकी डॉग.. आकर मुझे पार्टी मिलनी चाहिए.
मैंने हंस कर वादा किया कि पहले मजा तो कर लेने दे.. कुछ फिर दूँगा.

मैं भाभी के घर करीब 11 बजे चला गया. बिल्कुल सामने घर था तो एक मिनट में ही पहुँच

गया. उन्होंने बेटी को सुला दिया था और वो टीवी देख रही थीं. मेरी मिस कॉल पर उन्होंने डोर खोल रखा था. मैं दरवाजे के अन्दर घुस गया. जैसे ही मैं भाभी के घर में घुसा.. और उनको देखा.. तो बस उन्हें देखता ही रह गया. उन्होंने इस वक्त शॉर्ट्स पहना हुआ था और ऊपर ब्लू टी-शर्ट.

मैंने हाय बोला और एक आँख मार दी.
वो मुस्कुरा कर हाय बोलीं- बैठो !

मैं सोफे पे बैठ गया, वो पानी लेने चली गईं. मैं उनकी मटकती गांड देखता रहा. मैं पानी पीकर बोला- मम्मी जी कब आएंगी ?
वो बोलीं- सुबह..
मैं बोला- मतलब पूरी रात है ?
वो अंगड़ाई लेकर बोलीं- हां.. तुम बैठो मैं चेंज करके आती हूँ.

मैंने उनका हाथ पकड़ लिया और अपनी ओर खींच लिया. उनके गाल पर किस करके बोला- इतनी सेक्सी तो लग रही हो.. अब चेंज करके क्या मार ही डालोगी ?

वो मुस्कुराईं और मैं उनको होंठों पर किस करने लगा. वो भी मेरा साथ देने लगीं. उनके लाल होंठ रस से भरे लग रहे थे. मैं चूसता रहा और वो भी मुझे कसके जकड़ने लगीं.
मैंने उनको गोद में उठाया और कहा- बेडरूम में चलें ?

उन्होंने यस का इशारा किया और मैं बेडरूम में अन्दर आ गया. बेड पर आते ही मैं उन पर टूट पड़ा. मैं उनको पागलों की तरह किस कर रहा था और वो भी कामुकता में ‘आह आह..’ करने लगीं. मैं भाभी के मम्मों को दबाने लगा. भाभी के मम्मे धीरे धीरे टाइट होते जा रहे थे. मैं फिर भाभी जी की गांड को दबाने लगा और किस करता रहा.

भाभी एकदम गरम हो गई थीं और वे अपना हाथ मेरे सर में घुमाने लगी थीं. मैंने उनको बैठाया और उनकी टी-शर्ट निकाल दी. अन्दर भाभी ने ब्लू ब्रा पहन रखी थी, जिसमें से उनकी गोरी चुचियां चमक रही थीं. ऐसा लग रहा था कि जैसे भाभी की चूचियां ब्रा को फाड़ कर बाहर ही आ जाएंगी.

भाभी शर्मा के हाथ लगाने लगीं लेकिन मैं हाथ हटा कर बोला- लव यू जान.

मैं भाभी के मम्मों को किस करने लगा. वो आँखें बंद करके मादक आवाजें निकाल रही थीं. उनकी आवाज़ों से मेरे रोंगटे भी खड़े हो रहे थे और मेरे बदन में खूब में गर्मी आती जा रही थी.

मैंने उनको उल्टा किया और कमर पर किस करने लगा. मैंने उनकी ब्रा का हुक खोल दिया और उसको दूर फेंक दिया. हाय क्या चूचे थे उनके.. निप्पल तो जैसे छोटे जामुन हों.

मैं उनको बुरी तरह चूसने लगा और वो ‘आह आह बेबी धीरे आहह..’ बोलने लगीं. मैं भाभी के एक निप्पल को मुँह में ले कर चूसने लगा और एक हाथ से उनकी पेंटी को टच किया. कुसुम भाभी भी अब पागल होती जा रही थीं, उन्होंने खुद बोला- अब जल्दी से नीचे आ जाओ प्लीज़ आहह.

मैंने उनका शॉर्ट्स उतारा और उनकी काले रंग की पेंटी के ऊपर से ही चुत पर जीभ घुमाने लगा.
वो कसमसाते हुए बोलीं- आह मर गई हनी… आज मेरा सपना पूरा कर दो आह…
मैंने झट से भाभी की पेंटी निकाल दी और उनकी चुत को किस कर दिया. वो गांड उठा कर ‘आह आह..’ करने लगीं. भाभी की चूत एकदम शेव्ड थी. ऐसा लग रहा था कि जैसे कमसिन लड़की की चूत सामने खुली पड़ी हो.

मैं अब भाभी की चुत को ऊपर से चाटने लगा और वो बेड की चादर को कसके भींचते हुए पकड़ने लगीं. उनकी ‘आह आह..’ कमरे के माहौल को रोमाँटिक करने लगी.

मैंने अपनी जीभ भाभी की चुत में डाल दी, उनकी चूत बहुत गीली हो चुकी थी. वो मेरा सर जोर जोर से अपनी चूत पर दबाने लगीं और ‘लव यू हनी लव यू..’ कहने लगीं. मैं पूरी जीभ डाल कर उनकी चुत को चाटने लगा और चूचियों को हाथ से मसलने लगा.

भाभी जी पूरी टांगें चौड़ी करके लेटी हुई थीं. वो जोर जोर से गांड हिलाने लगीं और उनकी चूत का जूस मेरे मुँह में आ गया. मैं उनका सारा रस पी गया.

फिर मैं भाभी के ऊपर आ गया और उनको किस करने लगा. वो पसीने में तर हो चुकी थीं.

अब उनकी बारी थी, वो मुझे लिटा कर ऊपर आ गईं और मेरी पेंट को निकाल के अंडरवियर के ऊपर से किस करने लगीं. मैं बहुत चुदास फील करने लगा. उन्होंने अंडरवियर उतारा और लंड देख कर मुस्कुरा दीं.

भाभी बोलीं- कितना बड़ा और प्यारा लंड है ना.. अब ये मेरा है.
मैं बोला- हां जान.

उन्होंने लंड को किस किया और मुँह में लेकर चूसने लगीं. उनकी लंड चूसने की अदा बहुत गजब थी. वो पूरी जीभ लगा लगा कर लंड चूसने लगी. मैं भी जोश में आ आ करने लगा. बस 5-6 मिनट तक चूसने के बाद वो बोलीं- हनी अब रहा नहीं जा रहा, फक मी बेबी.
मैं बोला- याह श्योर बेबी.

मैंने उनकी टांगें चौड़ी की और अपना लंड उनकी चुत पर रगड़ने लगा. भाभी को थोड़ी गुदगुदी सी हुई और वो ‘आऊउच..’ बोलने लगीं. मैंने फिर उनकी टांगें उठा कर अपना लंड उनकी चुत में डाल दिया. वो थोड़ा चीखीं ‘आहहह..’ मैं पूरा ऊपर चढ़ गया और उनको

किस करते हुए दूसरे झटके में ही पूरा लंड उनकी चुत में अन्दर तक पेल दिया.

वो मुझसे बुरी तरह लिपट गईं, उनके नाखून मेरी पीठ पे गड़ने लगे. मुझमें और जोश आ गया और मैं जोर जोर से झटके लगाने लगा. पूरा रूम हमारी ‘छाप छाप और आह आह..’ से गूंजने लगा. मैं भाभी को चोदता जा रहा था और वो मज़े ले लेकर गांड उठा उठा कर चुद रही थीं. फिर मैं बेड से नीचे उतरा, उनको किनारे पे लाया ताकि पूरा लंड अन्दर जा सके.

वो मुझसे ‘लव यू जान.. आह.. लव.. यू हनी.. आह..’ कहते हुए लिपटने लगीं. मैं झटके पे झटके मारे जा रहा था. इतना मज़ा आ रहा था कि क्या बताऊं. उनकी गोल गोल चूचियां इतनी तेज़ी से उछल रही थीं कि बस ऐसा लग रहा था कि खा जाऊं इनको. तभी वो मुझे कस कस कर जकड़ने लगीं.. और मैं समझ गया कि भाभी की चूत का रस निकल रहा है. मुझे लंड पर उनकी चूत के गरम पानी भी अहसास हो रहा था. थोड़ी देर बाद मैं भी झड़ गया. मैं उनके ऊपर छा गया और हम ऐसे ही पड़े रहे.

दो पल बाद वो मुझे होंठों पे गाल पे किस करने लगीं और बोलीं- थैंक्यू बेबी. बहुत दिनों बाद इतना मज़ा आया है. लव यू हनी..

मैंने भी ‘लव यू टू..’ बोला और उनकी चूचियों से चिपक कर लेटा रहा और पता ही नहीं चला कि हम दोनों कब सो गए. सुबह 4 बजे मैं उठा, भाभी को जगाया और कहा कि अब मैं जा रहा हूँ.
भाभी ने फिर से मुझे चूमा और ‘लव यू…’ मैं कपड़े पहन कर आ गया.

उसके बाद हम कई बार मिले और मैंने भाभी की गांड भी मारी.

यह थी मेरी सेक्स स्टोरी.. कैसी लगी जरूर बताना. मेल कीजिएगा.

yadavhoney044@gmail.com
आपके मेल का इंतज़ार रहेगा.